हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 12 मई 2024

10 16945 मामलों में से 13847 का निपटारा

10 मतदान प्रतिशत बढ़ाने में जुटा प्रशासन

खबर संक्षेप

मां-बेटा घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

कालांवाली। गांव लकड़ांवाली से एक महिला अपने बेटे सहित संदग्धि परस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि बीती 3 मई की रात को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात को उसकी पत्नी व बेटा अचानक लापता हो गए। सुबह उन्हें घटना के बारे में पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

गाड़ी से लैपटॉप व नकदी का बैग चोरी

सिरसा। बस स्टेंड के समीप एक गाड़ी से शातिर चोर नकदी वाला बैग चोरी कर ले गया। बैग में लेपटॉप व अन्य सामान भी था। पुलिस को दी शिकायत में ऐलनाबाद के वार्ड नंबर 13 निवासी जुगल किशोर ने बताया कि वह नई मंडी ऐलनाबाद निवासी रामअवतार की गाड़ी चलाता है। रात को वह रामअवतार के साथ सिरसा आया हुआ था। रामअवतार किसी कारण से भीम कॉलोनी में रुक गए व उसे गाड़ी देकर मोरीवाला स्थित अपनी फैक्ट्री में भेज दिया।

500 ग्राम चांदी की दो प्लेटें चोरी

डिंग मंडी। गांव मोचीवाली में चोरों ने एक बंद पड़े मकान में घुसकर 500 ग्राम चांदी की दो प्लेटें चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में रितेश कुमार ने बताया कि वह मजदूरी करता है। उसने बताया कि बीती 8 मई को परिवार के लोग घर से बाहर गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर चोर घर में घुसकर संदूक में रखी 500 ग्राम चांदी की दो प्लेटें चोरी कर ले गए। 10 मई की शाम को जब वे वापस लौटे तो घटना का पता चला।

वोटर जागरूकता को लेकर क्रिकेट मैच व वॉकोथॉन आज

फतेहाबाद। लोकसभा चुनावों में वोटर जागरूकता कार्यक्रम के तहत 12 मई की सुबह साढ़े 6 बजे एक वॉकोथन का आयोजन किया जाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त एवं स्वीप के नोडल अधिकारी राहुल मोदी ने बताया कि लोगों में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के उद्देश्य से स्वीप के तहत अनेक गतिविधियों का आयोजन की जा रहा है।

रतिया आए पंजाब के युवक का बाइक चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने अपनी रिश्तेदारी में रतिया आए पंजाब के युवक का मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे रतिया पुलिस को दी शिकायत में बुढलाडा के गांव बच्छुआना निवासी कुलदीप सिंह ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से फतेहाबाद आया था। उसने अपने बाइक को रतिया में एम्पलाइज कालोनी में सरदूलगढ़ कैंचियों के पास खड़ा किया और अपने रिश्तेदार के घर चला गया। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसकी बाइक गायब थी।

भारी तूफान ने मचाई तबाही, कई क्षेत्रों में 17 घंटे बाद भी बहाल नहीं हो पाई बिजली

तेज अंधड़ से 300 पेड़, 33 ट्रांसफार्मर, 378 खंबे गिरे

बिजली की सप्लाई सुचारू करने के लिए निगम के कर्मचारी शनिवार दोपहर तक लगे रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शुक्रवार देर रात को फतेहाबाद में आए तेज अंधड़ से 300 से अधिक पेड़, 33 ट्रांसफार्मर व 378 बिजली के खंबे टूटकर जमीन पर आ गिरे। इसके अलावा 11केवी की लाइन टूटने से जिलेभर में बिजली सप्लाई ठप्प होकर रह गई। बिजली की सप्लाई सुचारू करने के लिए निगम के कर्मचारी शनिवार दोपहर तक लगे रहे। हालांकि शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुचारू हो गई लेकिन जिन गांवों व ढाणियों में ट्रांसफार्मर व बिजली के पोल गिरे, वहां शनिवार शाम तक भी बिजली चालू नहीं हो सकी। फतेहाबाद अनाज मण्डी में गेहूं उठान का काम सुस्त होने के कारण लाखों बोरी गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा है। ऐसे में रात को हुई तेज बरसात के कारण यह सारा गेहूं भी भीग गया। पिछले कई दिनों से मौसम विभाग ने 10 मई को एक नए पश्चिमी विक्षोभ आने की भविष्यवाणी की हुई थी। इसी पश्चिमी विक्षोभ के चलते शुक्रवार देर रात को जिला फतेहाबाद में आए तेज तूफान ने भारी तबाही मचाई। देर रात को होर्डिंग्स व हवाओं के शोरगुल से लोग उठ गए। घंटाभर आए तूफान से खेतों में खड़े बिजली के पोल, ट्रांसफार्मर व बिजली की लाइनें टूट कर जमीन पर आ गिरी। इसका सीधा असर बिजली सप्लाई पर पड़ा। जहां-जहां भी पेड़ गिरे, वहां पर निगम ने 33 केवी से लाइन काटकर किसी भी अनहोनी को रोकने का प्रयास किया। खासकर फतेहाबाद, रतिया, कुलां, टोहाना व भूना क्षेत्र में पेड़ व बिजली के पोलों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भूना में पेड़ टूटने से सड़क पर आ गिरे जिससे चण्डीगढ़ रोड पर जाम लग गया। बिजली निगम के कर्मचारियों ने शुक्रवार रात को ही मोर्चा संभाल लिया और टूटे खंबों को खड़ा करने का काम शुरू कर दिया। इस कारण शहरी क्षेत्र में तो कुछ घंटों बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई जबकि जहां ट्रांसफार्मर व लाइनें गिरी, उन गांवों व ढाणियों में ट्रांसफार्मर बदलने का काम शनिवार शाम तक जारी रहा। इस बरसात से किसानों द्वारा की गई नरमा फसल की ताजा बिजाई कुरंड हो गई है। अब किसानों को नरमा की दोबारा बिजाई करनी पड़ेगी जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान होगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 12 मई तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा तथा इस दौरान हल्की बरसात की संभावना है।

बरसात से तापमान में आई गिरावट

शुक्रवार देर रात तेज तूफान के बाद जोरदार बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम ठंडा होने के चलते लोगों को भी गर्मी से कुछ राहत मिली। फतेहाबाद में 3 एमएम, टोहाना में 8 व भूना में 15 एमएम बरसात दर्ज की गई। इसक अलावा रतिया में 4.5 एमएम, भट्टूकलां में 4, कुलां में 3 व जाखल में 5 एमएम बरसात होने से तापमान में काफी गिरावट आई। तूफान से जिले के गांव हिम्मतपुरा, अमानी, कुलां, दीवाना, ढेर, खाराखेड़ी, खासा पठाना, बनमंदौरी, पीलीमंदौरी, अहलीसदर, जाण्डली, गोरखपुर, चौबारा, अहरवां, अयाल्की, भरपूर, सिंथला, कन्हड़ी, नन्हेड़ी, समैण इत्यादि गांवों में काफी पोल गिरे हैं।

यहां टूटे ज्यादा पेड़

जिले के गांव खासा पठाना, सिंथला, उकलाना, सनियाना, समैण, ढाणी चाणचक, हमजापुर, सुखमनपुर, करनौली, तामसपुरा, ढिंगसरा, बनगांव, दैयड़, रामसरा, मेहूवाला इत्यादि गांवों में तूफान से पेड़ गिरने की काफी घटनाएं सामने आए हैं। अनेक गांवों में सड़क किनारे लगे पेड़ टूटकर सड़क पर जा गिरे और ट्रेफिक ठप्प हो गया। बाद में इन पेड़ों को जेसीबी की सहायता से सड़कों से हटाकर यातायात बहाल किया गया। तेज अंधड़ से जिले में 300 से ज्यादा पेड़ गिर गए हैं। सबसे ज्यादा घटनाएं भूना व फतेहाबाद क्षेत्र में हुई हैं। जहां पर वन कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से सड़कों से पेड़ हटवाए। इस कार्य में 6 से 8 घंटे का समय लगा। तब जाकर फतेहाबाद-चण्डीगढ़ रोड पर जाम खुला। अन्य सड़कों से भी टूट पेड़ों को हटा दिया गया है।

-राजेश कुमार, डीएफओ फतेहाबाद

चलते बाइक पर पेड़ की टहनी गिरने से युवक की मौत

भट्टूकलां। गांव ढाबी कला में शुक्रवार को देर शाम को आए आंधी तूफान के चलते एक मोटरसाइकिल पर पेड़ की टहनी गिरने से एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका एक बेटी को चोटें आई है। मिली जानकारी के अनुसार ढाबी कला निवासी ब्रह्मदेव अपने मोटरसाइकिल पर अपनी दो बेटियों सहित गांव से थोड़ी दूर बनी एक ढाणी में शादी समारोह में भाग लेने के लिए जा रहा था कि अचानक आए आंधी तूफान के कारण चलते हुए मोटरसाइकिल पर एक वृक्ष की टहनी गिर गई। इस हादसे में बाईक सवार बाप बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें उपचार के लिए तुरंत भट्टू के सरकारी अस्पताल में लाया गया जहां जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए अग्रोहा रेफर कर दिया। अग्रोहा मेडिकल में ब्रह्मदेव ने दम तोड़ दिया और बेटी को सिर में चोट लगने से घायल हो गई। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

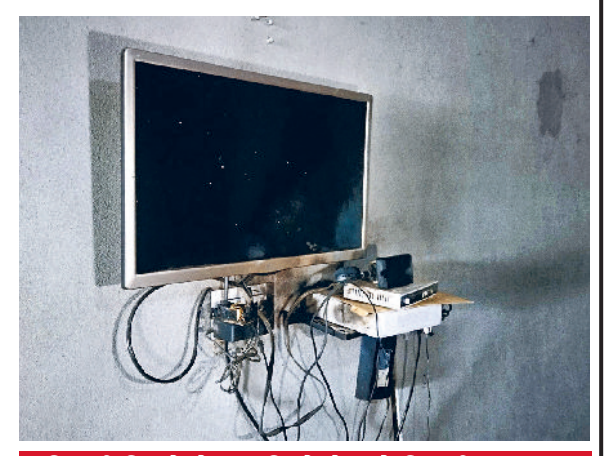

बिजली गिरने से 3 ढाणियों में जले बिजली उपकरण

भट्टूकलां। गांव ढाबी कलां में रामसरा रोड पर स्थित एक ढाणी में शुक्रवार देर रात आसमानी बिजली गिरने से बिजली के घरेलू उपकरण व अन्य सामान जलने से लाखों का नुकसान हो गया। ढाणियों में बिजली सप्लाई देने वाला ट्रांसफार्मर भी आसमानी बिजली की चपेट में आने से जल गया, जिससे कई ढाणियों की बिजली सप्लाई बाधित हुई है। इसके अलावा दो अन्य ढाणियों में भी बिजली के उपकरण जलने का समाचार है। ढाणी निवासी संदीप कुमार नोखवाल ने बताया कि शुक्रवार देर शाम को वह ढाणी में अपने परिवार सहित बैठे थे कि अचानक आई बरसात व आंधी के साथ अचानक जोरदार धमाके के साथ गड़गड़ाहट की आवाज आई। इस पर पड़ोसियों ने उन्हें फोन किया कि तुम्हारे घर पर धमाका हुआ है और छत पर आग का गोला दिखाई दिया है। इस पर वह तुरंत ढाणी से बाहर निकले और देखा तो एकदम उनके बिजली के उपकरणों में धुआं उठ रहा था, वहीं चौबारे पर बनी पानी की टंकी की छत को चीरती हुई बिजली जोरदार धमाके के साथ बाहर निकल गई। बाद में घर में रखे बिजली के उपकरणों को संभाला तो उन में भी आग लगी हुई थी और पूरे मकान की बिजली फिटिंग जलकर राख हो गई। उनके घर में बिजली के उपकरण दो एलईडी, एक इनवर्टर, 6 पंखे, पानी की मोटर, फ्रिज, वाशिंग मशीन व मकान में लगे कैमरे भी इसकी चपेट में आने से जल गए। इतना ही नहीं 10 किलो वाट का उनकी ढाणियों में सप्लाई देने वाला ट्रांसफार्मर भी धमाके के साथ जल गया। गनीमत यह रही कि ढाणी में रहने वाले किसी भी को जान माल का नुकसान नहीं हुआ। इसके अलावा रमेश पूनिया की ढाणी में इनवर्टर व सूरजमल की ढाणी में फ्रिज भी जल गए।

तेज आंधी में बिजली का पोल गिरा, 8 वर्षीय बच्चे के चपेट आने से मौके पर हुई मौत

बडागुढ़ा। गांव बुढ़ाभाणा में तेज आंधी के कारण गली में गजर रहे आठ वर्षीय बच्चे पर बिजली का खंभा गिर गया। जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी अनुसार शुक्रवार देर शाम को जिलाभर में तेज आंधी के साथ बरसात हुई। इसी दौरान गांव बुढ़ाभाणा में 8 वर्षीय अर्जुन घर के पास गली में खेल रहा था। इस दौरान बिजली का एक खंभा अचानक उस पर आकर गिरा। जिससे अर्जुन की मौके पर ही मौत हो गई। आंधी थमने के बाद घरवालों और ग्रामीणों को घटना का पता चला। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। ग्रामीण करता सिंह का कहना है कि आंधी इतनी तेज थी कि पूरे गांव में करीब 17 बिजली के पोल गिर गए। इन सभी पर हाईवोल्टेज की तार थी। ग्रामीणों का कहना है कि अर्जुन का पिता बहुत ही गरीब है और कच्चे मकान में रहता है। आंधी से उसके मकान को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से मांग की है कि पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर से मुआवजा दिया जाए। पुलिस ने आज शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

तेज आंधी से एक ट्रांसफार्मर व 34 बिजली के पोल गिरे

रोड़ी। क्षेत्र में पिछले सप्ताह से लगातार पड़ रही गर्मी के बाद शुक्रवार देर शाम को मौसम के बदलाव के बाद आई तेज आंधी के चलते सब डीविजन रोड़ी क्षेत्र में एक ट्रांसफार्मर सहित टब्बी रोड सहित अलग-अलग स्थानों पर 34 बिजली के पोल गिर गए। वहीं कुछ पेड़ों में आग लग गई। जानकारी अनुसार बीते दिवस देर शाम को क्षेत्र में आई तेज आंधी से रोड़ी सब डिवीजन क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बिजली के 34 पोल गिर गए। वहीं एक बिजली का ट्रांसफार्मर भी गिर गया। उधर रात करीब 9 बजे मलड़ी नहर पुल क्षेत्र में 2-3 पेड़ों में अचानक आग लग गई। जानकारी मिलते ही गांव मलड़ी के ग्रामीण व कालांवाली से दमकल की गाड़ी ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। गनीमत रही कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

शादी का झांसा देकर राजस्थान का युवक दसवीं की छात्रा को लेकर फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भट्टू के गांव ढाबी खुर्द से एक युवक शादी का झांसा देकर दसवीं कक्षा की छात्रा को अपने साथ ले गया। इस बारे छात्रा के परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव ढाबी खुर्द निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी लड़की दसवीं कक्षा में पढ़ती है। 9-10 मई की रात को करीब 11 बजे उसकी लड़की ने कहा कि उसके पेट में दर्द है। इसके बाद वह गोली लेकर अपनी दादी के पास जाकर सो गई। रात करीब 12 बजे जब उसकी दादी की आंख खुली तो देखा कि उसकी लड़की वहां पर नहीं थी और घर का मेन दरवाजा खुला हुआ था। इस पर उन्होंने आसपास उसकी तलाश शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने रामसरा से ढाबी खुद रोड पर पुलिस के पास एक कार खड़ी देखी। जब उन्होंने कार के पास जाकर मोटरसाइकिल को रोका तो चालक कार भगाकर ले गया। कार के बाहर खड़े युवक से पूछा तो उसने अपना नाम शेर सिंह ढाबी कलां बताया और कहा कि उसका साथी राहुल निवासी भानगढ़, भादरा उसकी लड़की को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया है और शेर सिंह ने इसमें उसकी मदद की है। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। भट्टूकलां पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। एक अन्य मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने गांव झलनियां निवासी महिला कृष्णा की शिकायत पर उसके 35 साल के लड़के भाल सिंह के लापता होने बारे केस दर्ज किया है।

अवैध कब्जों के कारण 16 फुट की गली 4 फुट की बची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

शहर के टिब्बा कॉलोनी के कुछ लोगों ने मुख्यमंत्री, सीएम विंडो व जिला उपायुक्त को एक शिकायत पत्र भेजकर कुछ लोगों पर अवैध रूप से गली बंद करने और अवैध रूप से मकान व प्लाटों का निर्माण करने का आरोप लगाया है और कार्रवाई करने की मांग की है। वार्ड नंबर 13 निवासी साहिल गर्ग, अनिल कुमार जैन, जगदीश चंद्र, अशोक कुमार, दर्शन कुमार, अमित कुमार, जगसीर, रजनीश कुमार, दिनेश गर्ग, बाला सिंह बराड़, मनीष कुमार, अरुण जैन व अन्य लोगों ने बताया कि वार्ड की मेन गली टिब्बा कॉलोनी में पद्मावती धाम के नजदीक 25 साल पहले 16 फुट की गली छोड़ी गई थी जोकि 2010 के आसपास कुछ घरों ने 16 फुट की छोड़ी गई गली में अवैध रूप से कब्जे करके अपनी दीवार बना ली। इस जगह पर आरसीसी सड़क बनवा दी जिससे काफी घरों का रास्ता बंद हो चुका है। इन लोगों को देखकर अब अन्य लोगों द्वारा भी गली पर अवैध तरीके से निर्माण कर लिया गया है, जिससे पीछे रहने वाले मकान मालिकों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है और 16 फुट की गली मात्र 4 फुट की रह गई है। इससे गली निवासी काफी परेशान है और रोजमर्रा की जिंदगी में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री हरियाणा सीएम विंडो व जिला उपायुक्त को शिकायत भेज कर अवैध रूप से बंद गई की गई गली को खुलवाने और अवैध निर्माण को हटाने की मांग की है। इस बारे में जब नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता हवा सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा उनके पास यह शिकायत जांच के लिए भेजी गई है।

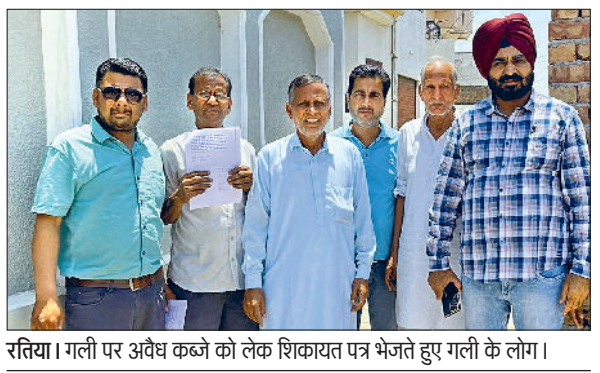

रतिया। गली पर अवैध कब्जे को लेक शिकायत पत्र भेजते हुए गली के लोग।

पुलिस ने दो नशा तस्करों को काबू कर हेरोइन की बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा निर्देश अनुसार जिले भर में चलाए जा रहे नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत जाखल थाना पुलिस ने हेरोइन सहित बाइक सवार तस्कर को काबू करने में सफलता प्राप्त की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जाखल थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ने बताया कि एएसआई जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम लोक सभा चुनाव को लेकर अपराधिक घटनाओं की रोकथाम हेतु गश्त करते हुए गांव म्योंद कलां से चुहड़ पुर रोड पर रंगोई नाले पर पहुंची तो वहां पर एक युवक साइड में अपनी बाइक खड़ी करके उस पर बैठा था। सामने पुलिस टीम को देखकर युवक घबरा गया और अपनी बाइक स्टार्ट करने लगा, लेकिन हड़बड़ाहट में बाइक स्टार्ट नहीं हुई। पुलिस टीम को शक होने पर उक्त युवक की नियम अनुसार जब तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 7 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी उक्त को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना नाम मंगाराम पुत्र देशराज निवासी म्योंद कलां बताया। दूसरी टीम ने एएसआई सतनाम सिंह के नेतृत्व में बलरां रोड, जाखल से एक आरोपी बलकार सिंह निवासी चूहड़ पुर को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 2.10 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना जाखल में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई करते हुए हेरोइन सप्लाई करने वाले मेन सप्लायर धर्मेन्द्र पुत्र बलकार सिंह निवासी चूहड़ पुर को भी काबू करने में सफलता प्राप्त की है।

क्रेसेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया मातृ दिवस

उदिता ने 'मेरी माँ है वो' कविता से मां के प्यार को दर्शाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

क्रेसेंट स्कूल मे माँ के प्यार और समर्पण को सम्मान देने के उद्देश्य से मातृ दिवस बड़े धूमधाम व भावपूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सीनियर विंग, जूनियर विंग तथा मॉन्टेसरी विंग द्वारा एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीनियर विंग में दिव्या के मंच संचालन में उदिता ने 'मेरी माँ है वो' शीर्षक कविता के माध्यम से माँ के प्यार ओर त्याग को दर्शाया। छात्रा सत्या ने बताया कि यदि माँ के प्यार और त्याग को हम बचपन से समझे तो मां की भावना से जुड़कर जीवन में अच्छे इंसान बन सकते हैं तथा जीवन में बेहतर करने का प्रयास कर सकते है। दक्ष ने अपनी कविता 'पूछो न है कैसी मेरी माँ' से उसे त्याग, प्रेम, दया और स्नेह की मूर्ति बताया, जिसकी छाया में मनुष्य ही नहीं देवता भी स्वयं को आनंदित अनुभव करते हैं। 10वी कक्षा की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत एक्ट के माध्यम से हमारे जीवन मे माँ की अहमियत को दर्शाया गया कि कई बार बच्चे माँ की भावनाओं को समझ नही पाते और उनसे अच्छा व्यवहार नही करते, परन्तु माँ हमेशा बच्चों के लिए होना सब कुछ समर्पित कर देती है। इस एक्टीविटी के जरिए जहां पर मां के प्यार को दिखाया गया वहीं पर विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच दिया गया। प्राइमरी विंग में अरमान और ऋषभ ने अपने सुविचारों के माध्यम से जीवन में माँ की महत्ता को बताया। नवनीत ने अपने व्याख्यान में अपनी माँ की विशेषताओ का गुणगान किया। तीसरी कक्षा की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत डांस 'तेरी ऊँगली पकड़ के चला' ने समां ही बांध दिया। मॉन्टेसरी विंग विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया गया। नन्हें मुन्नों ने अपनी माताओं को भेंट करने के लिए पास्ता से सुंदर सुंदर गहने बनाये। नर्सरी और केजी के बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रदर्शन हेतु कागज के फूलों से बुके बनाये।

फतेहाबाद। क्रेसेंट स्कूल में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

खाराखेड़ी के हादसे का शिकार हुई कार

- महिला की मौत, चार घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नेशनल हाइवे 9 हिसार रोड रोड पर स्थित गांव खाराखेड़ी के पास शनिवार दोपहर एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में कार सवार एक महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अग्रोहा मेडिकल कालेज में भर्ती करवाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पंजाब के मुक्तसर का रहने वाला 60 वर्षीय बलजीत सिंह, उसकी पत्नी 56 वर्षीय सुरजीत कौर, लखविंद्र सहित पांच लोग किसी काम से दिल्ली गए हुए थे। शनिवार को वे दिल्ली से वापस अपने घर मुक्तसर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि दोपहर को जैसे ही कार गांव खाराखेड़ी के पास पहुंची तो कार चालक नियंत्रण खो बैठा और कार कार हाईवे के डिवाइडर पर लगी जालियों से टकरा गई।

फतेहाबाद। गांव खाराखेड़ी के पास हादसे का शिकार हुई कार। फोटो : हरिभूमि

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएएफ में होता था। बाजार में ईटीएएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरीख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत
बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा
बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

आईडिया: शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिजनस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्टट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलाव छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिजनस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिजनस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिजनस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिजनस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिजनस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिजनस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी ढुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

खबर संक्षेप

5.69 ग्राम स्मैक सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

हिसार। नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस की नशा निरोधक टीम ने बरवाला चुंगी के पास से एक व्यक्ति को काबू कर 5.69 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस की नशा निरोधक टीम ने गश्त के दौरान अंबेडकर बस्ती निवासी सोनू को गिरफ्तार करके उससे 5.69 ग्राम स्मैक बरामद की। उस पर मादक द्रव्य अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

अपचारी बालक को लिया पुलिस अभिरक्षा में

हांसी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान सदर थाना पुलिस ने 900 ग्राम गांजा रखने के आरोप में एक अपचारी बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपचारी बालक थाना सदर हांसी के एक गांव में 900 ग्राम गांजा बेचने की फिराक में था। पुलिस ने अपचारी बालक को अभिरक्षा में लेकर न्यायालय में पेश किया जहां उसे बेल पर रिहा कर दिया गया।

सीआईए ने अवैध पिस्तोल सहित दो युवक पकड़े

हिसार। अवैध हथियार रखने वालों पर कार्रवाई करते हुए सीआईए पुलिस टीम ने अलग अलग जगहों से दो युवकों को काबू करके दो अवैध पिस्तोल बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए पुलिस टीम ने गश्त के दौरान बस स्टैंड गंगवा से गंगवा निवासी वीरेंद्र को काबू करके उससे 32 बोर का अवैध पिस्तोल बरामद किया। इसी तरह पुलिस टीम ने सब्जी मंडी चौक के पास से सैनियान मोहल्ला निवासी रमनदीप उर्फ अमन को काबू करके उससे 315 बोर का एक अवैध पिस्तोल बरामद किया गया। दोनों पर केस दर्ज कर लिए गए हैं।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार

बरवाला। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में जींद के बेलरखा निवासी अमन उर्फ अमनदीप को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में थाना बरवाला में वार्ड नंबर 11 बरवाला निवासी लोहित वलेचा ने 14 अप्रैल को बनभौरी धाम पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। शिकायत पर छानबीन करते हुए पुलिस ने अमन उर्फ अमनदीप को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर लिया है। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

धोखाधड़ी करने वाले को जांच में किया शामिल

हांसी। शहर थाना पुलिस ने फाइनेंस बैंक में नकली सोना रखकर 6 लाख 26 हजार रुपये का गोल्ड लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को अभियोग में शामिल जांच किया गया है। जांच में शामिल किए गए आरोपी की पहचान रतेरा निवासी व हाल प्रीति नगर में रहने वाले दीपक के रूप में हुई है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक खेताराम ने बताया कि आरोपी ने मुथूट फाइनेंस बैंक हांसी में नकली सोना रखकर 6 लाख 26 हजार रुपए का गोल्ड लोन लेकर धोखाधड़ी की थी।

55 बोतल अवैध शराब सहित कार सवार काबू

हिसार। अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर कार्रवाई करते हुए अर्बन एस्टेट चौकी पुलिस ने एक कार सवार युवक को काबू कर 55 बोतल शराब बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अर्बन एस्टेट चौकी पुलिस ने सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर एक एस्टीम कार सवार युवक को काबू किया। नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अर्बन एस्टेट पार्ट टू निवास रामबिलास उर्फ रामू बताया। तलाशी लेने पर कार की डिग्गी से 40 बोतल शराब अंग्रेजी और 15 बोतल देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके केस दर्ज कर लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 वर्षों में देश ने की अभूतपूर्व तरक्की : कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है जो देशवासियों के सामने हैं। हमें इस तरक्की को निरंतर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि जनता एक बार तुलनात्मक अध्ययन अवश्य करें कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व राहुल गांधी के बीच का है।

हमें इस बात पर गौर करना होगा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में सांसदों के हाथ खड़े करवाए तो उसमें एक हाथ हिसार के सांसद का भी होना चाहिए ताकि पूरे लोकसभा क्षेत्र की जनता को गर्व हो कि हमने देश को विकसित बनाने वाले नेता का साथ दिया है। हमें यह गलती कतई नहीं करनी है कि हिसार के सांसद का हाथ राहुल गांधी के पक्ष में खड़ा हो और वो भी उस थपकीमार नेता का, जिसने हमेशा झूठ बोला, जनता को बरगलाया और युवाओं का शोषण किया।

हिसार। युवा सम्मेलन के मंच पर उपस्थित हरियाणा लोकसभा प्रभारी सतीश पूनिया, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, प्रत्याशी रणजीत सिंह व अन्य तथा सम्मेलन को संबोधित करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु। फोटो : हरिभूमि

कैप्टन अभिमन्यु जाट धर्मशाला में भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से आयोजित युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन को संबोधित करते लोकसभा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने दावा किया कि सम्मेलन में आई युवाओं की भीड़ हमारी जीत का सूचक है। इसके बावजूद हमें लगातार लगे रहना है और अधिक से अधिक मतदान पर जोर देना है ताकि मतदान का प्रतिशत बढ़ाया जा सके। भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष हर्ष बामल ने सम्मेलन में आए वरिष्ठ नेताओं व युवाओं का स्वागत किया।

युवा सम्मेलन को इन्होंने किया संबोधित

युवा सम्मेलन में सीकर के सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड, लोकसभा प्रभारी अमरपाल राणा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर रतेरिया, रणधीर सिंह धीरू, सोनू डाटा, सूर्यप्रकाश चौटाला, चेयरमैन नरेश जांगड़ा, पूर्व मेयर गौतम सरदाना, रणधीर पनिहार, अरूणदत्त, संदीप आजाद, राजेन्द्र सपड़ा, महेन्द्र सिंह पानू, संजीव गंगवा सहित भारी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता व युवा मौजूद रहे।

हिसार। स्थानीय न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान मामलों का निपटारा करते जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल। फोटो : हरिभूमि

15 हजार 48 मामलों में से 11 हजार 665 का किया निपटारा

- हिसार व हांसी न्यायिक परिसर में लोक अदालत का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार शनिवार को हिसार एवं हांसी न्यायिक परिसर में आयोजित की गई। लोक अदालत में लंबित 15 हजार 48 मामलों में से 11 हजार 665 मामलों का निपटारा किया गया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में लोक अदालत की बैंच लगाई गई। लोक अदालत में एमएसीटी के 71 केसों में से 33 केसों में 1 करोड़ 2 लाख 69 हजार रुपये की राशि के क्लेम पास किए गए। बैंक रिकवरी के 4870 केसों में से 4543 में 3 करोड़ 38 लाख 61 हजार 585 रुपये की रिकवरी की गई। उन्होंने बताया कि पारिवारिक न्यायालय के 296 केसों में से 144 का निपटारा किया गया। इसी प्रकार समरी चालान के 851 केसों में से 636 केसों में 1 करोड़ 61 लाख 95 हजार 706 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम ईशा खत्री ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल सात बैंच स्थापित की गई, जिनमें हिसार न्यायिक परिसर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील जिंदल, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश (फैमिली कोट) अमरजीत सिंह, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) मधुलिका, जेएमआईसी सुनील कुमार व अजीत पाल सिंह तथा हांसी न्यायिक परिसर में एसडीजेएम आशुतोष की बैंच में लंबित मामलों का निपटारा किया गया।

आगजनी से लैपटॉप, कंप्यूटर्स व अन्य सामान जलकर हुआ राख

शार्ट सर्किट के चलते कंप्यूटर शॉप में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

- सुबह सैर पर निकले लोगों ने दुकान से धुआं निकलते देख दुकानदार को दी सूचना

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

पुरानी सब्जी मंडी रोड स्थित समाधान कम्प्यूटर की दुकान में शनिवार सुबह शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखे लाखों रुपये के कंप्यूटर व अन्य सामान जल कर राख हो गया। सुबह करीब 6 बजे लोग सैर के लिए निकले तो दुकान से धुआं निकलता देख दुकान मालिक को दुकान में आग लगने की सूचना दी। दुकान में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया। दुकान में आग लगने की सूचना मिलने दुकान मालिक मनोज कुमार मौके पर पहुंचा और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंच करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू।

दुकान मालिक मनोज सैनी ने बताया कि वह शुक्रवार शाम अपनी को अच्छी प्रकार से बंद करके घर गया था और सुबह करीब 6 बजे दुकान के पीछे बने गीता भवन में घुमने आए लोगों का फोन आया कि आपकी दुकान के अंदर से धुआं निकल रहा है और दुकान के अंदर आग लगी हुई है। सूचना के बाद उसने फायर ब्रिगेड को दुकान में आग लगने की सूचना और स्वयं भी दुकान पर पहुंचा तो देखा दुकान में भीषण आग लगी हुई थी।

हांसी। दुकान में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते दमकल कर्मी। फोटो : हरिभूमि

मनोज ने बताया कि उसने तीन चार दिन पहले ही कंपनी से 40 लाख रुपये से अधिक के नए लैपटॉप व कंप्यूटर्स तथा लैपटॉप व कंप्यूटर्स का सामान मंगवाया था। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह शार्ट सर्किट के चलते लगी आग के कारण दुकान में रखे करीब 60 लाख रुपये के लैपटॉप व कंप्यूटर्स तथा अन्य सामान व दुकान का फर्नीचर, एसी तथा लैपटॉप व कम्प्यूटर की एसेसरीज तथा कई लोगों के रिपेयर होने के आए कंप्यूटर सहित दुकान में रखा अन्य सामान जलकर राख हो गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में उसे करीब 60 लाख रुपये का नुकसान हो गया। वहीं दुकान में आग लगने की सूचना मिलने पर विधायक विनोद भयाना सहित आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंचे और दुकान में लगी आग को बुझाने में सहयोग किया।

चुनाव पर्यवेक्षक, डीसी ने एमएमएमसी व कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

- अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दल तथा उम्मीदवार अपने चुनावी प्रचार के लिए अखबारों, टीवी चैनलों तथा सोशल मीडिया पर विज्ञापन प्रकाशित व प्रसारित करवाते हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद तथा जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया ने शनिवार को लघु सचिवालय परिसर में स्थापित मीडिया मॉनिटरिंग तथा मीडिया सर्टिफिकेशन समिति कक्ष व कंट्रोल रूम का निरीक्षण दौरा किया। इस दौरान उनके साथ चुनावी ड्यूटी पर तैनात कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद ने मीडिया मॉनिटरिंग एंड मीडिया सर्टिफिकेशन कमेटी कक्ष का दौरा करते हुए प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दल तथा उम्मीदवार अपने चुनावी प्रचार के लिए अखबारों, टीवी चैनलों तथा सोशल मीडिया पर विज्ञापन प्रकाशित व प्रसारित करवाते हैं। इन विज्ञापनों पर खर्च की जाने वाली राशि संबंधित राजनीतिक दल या उम्मीदवार के चुनावी खर्चे में जोड़ी जानी होती है, ऐसे में प्रत्येक टीवी चैनल, अखबार तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित व प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों पर भी पैनी नजर बनाए रखें। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया ने चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद को अवगत करवाया कि चुनाव को निष्पक्ष पारदर्शी एवं शांति पूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार लगभग तमाम प्रबंध पूरे किए जा चुके हैं। विज्ञापनों तथा पेड न्यूज पर नजर रखने के लिए मीडिया मॉनिटरिंग एंड मीडिया सर्टिफिकेशन कमेटी सतर्कता से कार्य कर रही है। डीसी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति चुनाव संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 1950 डायल कर प्राप्त कर सकता है तथा सी-विजिल एप पर दर्ज शिकायतों का निर्धारित समय अवधि में समाधान करवाया जा रहा है। इस ऐप पर अब तक 243 शिकायतें दर्ज हुई है। जिन में से 196 शिकायतों का समाधान निर्धारित 100 मिनट की अवधि में करवाया जा चुका है। बाकी 47 शिकायतों को इसलिए ड्रॉप कर दिया गया है क्योंकि इनका संबंध किसी भी रूप में लोकसभा चुनाव से नहीं था।

हिसार। प्रबंधों का जायजा लेते चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद तथा जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया।

तेज अंधड़ से सैकड़ों पेड़ व खंभे गिरे

हिसार। जिले में शुक्रवार शाम को आई तेज आंधी से अनेक स्थानों पर खंभे, ट्रांसफार्मर व पेड़ गिरने का समाचार है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम को आई तेज आंधी से बिजली निगम को काफी नुकसान पहुंचा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से तेज अंधड़ के कारण 112 पोल व दो ट्रांसफार्मर गिर गए। इसी तरह अनेक स्थानों पर पेड़ भी गिर गए, जिससे कहीं पर रास्ते बाधित हो गए तो कहीं बिजली लाइनों पर ये पेड़ गिर गए। वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी रास्तों में गिरे पेड़ हटाते देखे गए। इसके अलावा इतनी भारी संख्या में ट्रांसफार्मर व पोल गिरने से ग्रामीणों क्षेत्रों में शनिवार दोपहर तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली निगम के अधिकारी व कर्मचारी मुस्तैदी से सुचारू आपूर्ति के प्रयासों में लगे रहे। वन विभाग के अनुसार आदमपुर क्षेत्र में 30, नारनौंद में 30 व बरवाला क्षेत्र में 20 पेड़ गिरे हैं। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में भी पेड़ गिरने की सूचना है।

- दोपहर तक बाधित रही बिजली आपूर्ति

पारदर्शी ढंग से चुनाव करवाने के लिए चुनावी खर्च का सही ब्योरा होना जरूरी

हिसार। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप दहिया ने बताया कि लोकसभा चुनाव को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक वी पांडीराजा (आईआरएस) व रंजीत कुमार मधुकर (आईआरएस) के समक्ष 12 मई, 16 मई व 21 मई 2024 को सुबह 11 से 4 बजे तक लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंस सभागार में चुनाव व्यय ब्योरा पुस्तिका को निरीक्षण हेतु प्रस्तुत करना है।

शातिर बदमाश ने एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 11 हजार रुपये

हांसी। शातिर बदमाश द्वारा एटीएम से रुपए निकलवाने आए एक युवक का एटीएम कार्ड बदल कर उसके खाते से 11 रुपये निकालने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने दयाल सिंह कालोनी निवासी संजय की शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में संजय ने बताया है कि उसका पुराने बस स्टैंड के समीप स्थित पीएनबी में खाता है। उसने बैंक से अपने खाते पर एटीएम कार्ड लिया है तथा वह 24 अप्रैल को शाम करीब 7 बजे भगत सिंह चौक के पास स्थित पीएनबी के एटीएम बूथ से रुपये निकालने गया था। संजय ने बताया जब वह एटीएम से रुपए निकाल रहा था उस समय वहां एक युवक खड़ा था और उस युवक ने एटीएम से रुपये निकालते वक्त उसका एटीएम पिन देख लिया था। संजय ने बताया कि रुपये निकालने के दौरान उसके पास फोन आ गया। मैं फोन पर बातें करने लग गया तो उस युवक ने ही एटीएम मशीन से मेरा एटीएम कार्ड निकालकर मुझे दिया। संजय ने शिकायत में कहा है कि इस दौरान उस युवक ने मेरा एटीएम कार्ड बदल लिया और मेरे एटीएम कार्ड के स्थान पर किसी प्रदीप वर्मा का बंद हुआ एटीएम कार्ड मुझे पकड़ा दिया। संजय ने बताया कि इसके कुछ समय बाद 7 बजकर 38 मिनट पर उसके पास 7 हजार रुपये डेबिट होने का मैसेज आया। संजय ने बताया कि रुपये निकालने की घटना के दो दिन बाद उसने उसी युवक भगत सिंह चौक पर देखा था लेकिन वह युवक उसको देखकर मौके से भागने में कामयाब हो गया। संजय ने बताया कि उसने बैंक में जाकर एटीएम कार्ड को बंद करने की शिकायत दी तथा दूसरे एटीएम कार्ड के लिए अप्लाई करने का फार्म भर कर बैंक कर्मचारी को दे दिया। संजय ने बताया कि उसके बाद भी 7 मई को उसके खाते से उसी एटीएम कार्ड द्वारा 4000 हजार रुपये निकाल लिए गए।

बैठक मतदाताओं को वोट डालने के लिए नहीं करना पड़ेगा लंबा इंतजार

मतदान के दिन वोटर इन क्यू ऐप से मतदान केन्द्रों पर लाइन की मिलेगी अपडेट : दहिया

- हरियाणा प्रदेश के 30 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर इन क्यू ऐप होगी संचालित, हिसार विधानसभा क्षेत्र भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मतदाताओं को मतदान करने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़े इसके लिए वोटर इन क्यू नाम का एप लांच किया गया है, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केन्द्रों पर लगने वाली लाइनों की जानकारी घर बैठे ही प्राप्त कर सकते है।

यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया ने शनिवार को लोकसभा आम चुनाव-2024 को लेकर आयोजित एक बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए दी। बैठक की अध्यक्षता चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद ने की। उन्होंने कहा फिलहाल इस ऐप को प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्र में से 30 विधानसभा क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है। इससे मतदाता चुनाव के दिन मतदान केन्द्रों पर लगने वाली लाईनों को लाइव देख सकते हैं, जिससे मतदाता अपनी सुविधा अनुसार मतदान करने के लिए केन्द्र पर जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार मतदाता भीड़ को देखकर वोट डाले बिना ही वापिस चले जाते हैं, लेकिन अब इस ऐप के माध्यम से मतदान केन्द्रों की जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि वोटर इन क्यू मोबाइल एप पर मतदाता अपने एरिया का नाम, पोलिंग बूथ का नाम, वोटर का नाम आदि फीड करेगा तो उसे एक ओटीपी प्राप्त होगा, जिसका प्रयोग कर वह बूथ पर सीधे बीएलओ से जुड़ सकता है। बीएलओ हर आधे घंटे बाद एप में अपडेट करेगा कि इस समय वोट डालने के लिए कितने लोग लाइन में लगे हुए हैं।

हिसार। लोकसभा चुनाव को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते चुनाव पर्यवेक्षक गोपाल चंद साथ है जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप दहिया। फोटो : हरिभूमि

हिसार विधानसभा में भी वोटर इन क्यू ऐप का होगा प्रयोग

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस मोबाइल ऐप तथा वेबसाइट का पहली बार चुनाव में प्रयोग किया जा रहा है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि मतदाता को वोट डालने के लिए अधिक समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा और वह भीड़ कम होते ही वोट डालने के लिए जा सकता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश के जिन 30 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में वोटर इन क्यू ऐप का प्रयोग होगा, उनमें हिसार विधानसभा क्षेत्र के 148 बूथों को भी शामिल किया गया है।

PUBLIC NOTICE

I , Mrs. Neeti Poonia W/o Mr. Chetan Wadhwa R/o H N o 20, 21 H.C.S, Model Town, Fatehabad hereby solemnly affirm & declare as under:
1. That, I am the owner of Nursing Home Unit No. 2, Soma Township 2, Village Matana, District Fatehabad vide Registered Deed No. 6474 dated 27-12-2019 between Mrs. Niti Poonia and Mr. Dharam Pal S/o Sh. Prem Sawroop & Satya Pal S/o Devi Chand.
2. That Whereas original Conveyance Deed No. 3276 dated 01-08-2019 between M/s. Vikas Buildmart Private Limited & Mr. Dharam Pal S/o Sh Prem Sawroop & Satya Pal S/o Devi Chand R/o #236 A Model Town, Fatehabad First Page of conveyance deed is missing and not traceable in original.
3. That the deponent of the above named persons has not misused or encumbered the same in any manner in any type or in any loan with any person ,financial institution or Bank.
4. That the above said property is free from all encumbrances. There is no charge of any kind whatsoever on the above said plot.The title of the property is clear,marketable and undisputed.
5. That now Niti Poonia W/o Chetan Wadhwa R/o H.No.20, 21 H.C.S, Model Town, Fatehabad will be mortgaging the above said property with Bank of India, Fatehabad Branch, District Fatehabad in consideration of credit facility, If any person or financial institution or Bank have any sort of interest in any manner or objection in respect of mortgaging the property with the above he can file his objection with the above authority i.e. Bank of India, Fatehabad within Ten days of above authority within Ten days of publication of the notice

खबर संक्षेप

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण चोरी

डिंग मंडी। क्षेत्र के गांव जोधकां में चोर एक बंद मकान में घुसकर 72 हजार रुपए की नकदी सहित लाखों रुपए के आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक रमेश कुमार ने बताया कि बीती 9 मई की सुबह परिवार के लोग किसी काम से बाहर गए हुए थे।

घर में घुसकर मारपीट करने के आरोपी काबू

डबवाली। शहर थाना डबवाली पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लोहे की रॉड बरामद की है। शहर थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि बीती 11 अप्रेल को गांव मसीतां निवासी जितेंद्र सिंह ने पुलिस में शिकायत देकर आरोपियों पर उससे मारपीट का आरोप लगाया था।

तेजधार हथियार से हमला करने का आरोपी काबू

डबवाली। पुलिस अधीक्षक डबवाली के निर्देशानुसार वांछितों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए थाना सदर डबवाली पुलिस ने तेजधार हथियार से हमला करने के आरोपी का गिरफ्तार किया है। थाना सदर डबवाली प्रभारी प्रताप सिंह ने बताया कि बीती 11 अप्रेल को दिवानखेड़ा निवासी जसवीर सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था।

अवैध शराब सहित तस्कर को दबोचा

फतेहाबाद। सदर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक शराब तस्कर को काबू करके उसके कब्जे से 19 बोतल ठेका शराब देसी बरामद करने में सफलता हासिल की है। इस बारे जानकारी देते हुए बड़ोपल पुलिस चौकी इंचार्ज एसआई रमेश कुमार ने बताया कि हेड कांस्टेबल संदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गांव खाराखेड़ी अजीत सिंह सिंह को पकड़ा।

उद्घोषित आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। लोक सभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए फतेहाबाद पुलिस अलर्ट मोड पर है। पुलिस के द्वारा लगातार विशेष अभियान के तहत कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में जाखल थाना पुलिस टीम ने अदालत से उद्घोषित आरोपी को काबू किया गया है। आरोपी बिंदर पुत्र बुधराम निवासी बलरा रोड़ जाखल को 2018 में चोरी के मुकदमे में जेल भेज गया था।

स्कूटी सवार युवकों ने व्यक्ति पर की फायरिंग

बडागुढ़ा। बडागुढ़ा थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुरिया नियामत खां में मध्य रात्रि स्कूटी सवार दो युवकों द्वारा एक व्यक्ति पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है।
फायरिंग में व्यक्ति बाल-बाल बच गया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ विभन्नि धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयान में श्रवण कुमार ने बताया कि बीती रात करीब सवा 11 बजे स्कूटी सवार दो युवक उसके घर के पास खड़े थे। जिस पर उसने गेट पर आकर उक्त युवकों से यहां खड़े रहने का कारण पूछा तो उक्त युवकों ने गोली चला दी।

फतेहाबाद में लगी राष्ट्रीय लोक अदालत

16945 मामलों में से 13847 का निपटारा

1 करोड़ 50 हजार 470 रुपये की राशि जुर्माना व समझौता के रूप में पास की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के मार्गदर्शन में जिला व उपमंडल की न्यायिक परिसर में शनिवार को द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 16945 मामलों में से 13847 का निपटारा कर 1 करोड़ 50 हजार 470 रुपये की राशि जुर्माना व समझौता के रूप में पास की गई।

इन मामलों में प्री-लिटिगेशन के 14681 मामलों मे से 13070 का निपटारा और 18 लाख 11 हजार 811 रुपये की राशि जुर्माना व समझौता के तौर पर पास की गई, जबकि कोर्ट में लंबित मामलों के 2264 मामलों में से 777 का निपटारा करते हुए 82 लाख 38 हजार 659 रुपये की राशि जुर्माना व समझौता के रूप में पास की गई।

फतेहाबाद। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निपटारा करते न्यायाधीश।

इन न्यायाधीशों की कोर्ट में लगी अदालत

सीजेएम गायत्री ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमंत यादव, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय नताशा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) समप्रीत कौर, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी जोगींद्र जांगड़ा, उपमंडल टोहाना में अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी राजीव तथा उपमंडल रतिया में अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बगोटिया की कोर्ट में लोक अदालत आयोजित कर विभिन्न मामलों को सुनवाई की गई।

इन मामलों की हुई सुनवाई

द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत में अपराधिक मामलों, एनआई एक्ट 138, एमएसीटी, एआईआर, ट्रांसपोर्ट, वैवाहिक, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, किराया, बैंक रिकवरी, राजस्व, बिजली व पानी बिल सहित विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई की गई। इस राष्ट्रीय लोक अदातल में न्यायाधीशों की मौजूदगी में प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ताओं के सहयोग से दोनों पक्षों की आपसी सहमति के आधार पर मामलों का निपटारा किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

मामलों का लोक अदालत में निपटाने का किया आह्वान

मामलों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीशों ने बताया कि लोक अदालत के फैसलों को ऊपरी किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है, इसलिए लोगों को चाहिए कि वे इन लोक अदालतों में केसों का निपटान करवाकर लाभांवित हों। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने कोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई लोक अदालतों के माध्यम से करवाएं, क्योंकि इससे उनके समय व धन की बचत होगी।

आर्दश स्कूल में मना मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। आदर्श स्कूल दरियापुर में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव दरियापुर स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस बड़े ही हषारे्ल्लास के साथ मनाया गया। सबसे पहले बच्चों ने तिलक लगाकर माताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल प्रधानाचार्य व वहां पर उपस्थित माताओं के द्वारा दीप प्र'वलित करके की गई। इस कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। नन्हें-मुन्नें बच्चों ने 'मां तू कितनी अच्छी है, तेरी उंगली पकड़कर चला, मेरी मां, मेरी मां के बराबर कोई नहीं' आदि गीतों पर अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बच्चों का उत्साहवर्धन के लिए सैंकडों की संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। इसके साथ ही वहां पर उपस्थित माताओं की खेल प्रतियोगिता भी करवाई गई जिसमें अधिकतर माताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में अव्वल रही माताओं को स्कूल प्रबंधक द्वारा सम्मानित किया गया तथा खाने-पीने का भी विशेष प्रबंध किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक दर्शन मेहता ने बताया कि माताएं हमेशा अपने बच्चों को सुखी जीवन के लिए प्रयास करती है।

विकलांगों ने रतिया में किया रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

विकलांग अधिकार मंच द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष कर्मजीत सिंह पदम व राज्यध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार की अगुवाई में शहर में भाजपा सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मंच के राज्य महासचिव षिकेश राजली विशेष तौर पर शामिल हुए। रोष प्रदर्शन के लिए ब्लॉक रतिया के विभिन्न गांवों से विकलांग शनिवार सुबह सती मन्दिर रतिया में इकट्ठे हुए। इस विरोध प्रदर्शन में स्कूल टीचर फैडरेशन ऑफ इण्डिया से राष्ट्रीय महासचिव सीएन भारती, किसान सभा के जिला सचिव मास्टर राजेन्द्र बाटू, सीटू जिला अध्यक्ष जंगीर सिंह ने सम्बोधित किया। विकलांगों के जत्थे को सती मन्दिर रतिया से रवाना किया जोकि मेन बाजार, भगत सिंह चैक, अनाज मण्डी, बुढलाडा रोड़ से होते हुए सती मन्दिर में पहुंचा। इस विरोध प्रदर्शन में काफी विकलांग अपनी बैटरी स्कूटी, ट्राईसाइकिल, मोटरसाइकिल, स्कूटर, ई रिक्शा लेकर शामिल हुए। षिकेश राजली ने बताया कि लोकसभा चुनाव को मध्य नजर रखते हुए भाजपा सरकार के कार्यकाल पर विस्तार से चर्चा की गई। विकलांग अधिकार मंच हरियाणा की राज्य कमेटी ने सर्व सहमति से कई फैसले लिए।

सोने की बालियां छीनने के दो आरोपी काबू

सिरसा। सिविल लाइन थाना की हुडा पुलिस चौकी ने बीती 7 मई को प्रेम नगर निवासी महिला के कानों से बालियां छीनने की घटना के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी अनुसार बीती 7 मई को प्रेम नगर की जनकल्याण कॉलोनी की गली नंबर 2 में रहने वाली बुजुर्ग महिला को घर में अकेला पाकर दो युवक महिला के कानों की सोने बालियां छीन कर मौका से फरार हो गए थे। इस संबंध में सिविल लाइन थाना पुलिस ने महिला के पति शयोकरण की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। हुडा पुलिस चौकी ने जांच के दौरान बालियां छीनने के दोनों आरोपियों को काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान भूपेंद्र सिंह पुत्र शीशपाल तथा सुशील पुत्र छोटू राम निवासी प्रेम नगर सिरसा के रूप में हुई है।

सैनिक स्कूल खाराखेड़ी में कैडेट्स ने रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सैनिक स्कूल खाराखेड़ी के परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डीवी नेहरा रिटायर्ड और स्कूल प्रिंसिपल डॉ. आर.ए. प्रभाकर के नेतृत्व में इस अभियान में स्कूल के सभी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कैडेट्स ने कोनोकार्पस के 200 पौधे लगाए। ये पौधे स्कूल की उत्तरी सीमा की दीवार के पास लगाए गए। ये प्राकृतिक हरियाली के साथ-साथ सुरक्षा भी प्रदान करेंगे। स्कूल निदेशक डॉ. युद्धवीर सिंह, स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्सना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य ने इस अभियान की प्रशंसा की। डॉ. ज्योत्सना ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों पर अनंत उपकार करती है। इस पौधारोपण अभियान में नायब सूबेदार देवेंद्र सिंह रावत, लांस नायक विजय कुमार और सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

तेज आंधी से खाई में शेड टूटा

- ग्रामीणों ने विजिलेंस को शिकायत भेजकर जांच करवाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

खंड के गांव खाई में पंचायती राज विभाग के ठेकेदार द्वारा कुछ महीने पूर्व लाखों रुपए की लागत से लगाया गया शेड देर रात आई आंधी के कारण टूटकर बिखर गया। हालांकि इस दौरान आसपास कोई गांव वासी ना होने से बड़ा हादसा टल गया। गांव वासियों व भारतीय किसान यूनियन खेती बचाओ के प्रदेश प्रवक्ता राम जाट ने प्रदेश के विजिलेंस विभाग के डायरेक्टर को पत्र लिखकर रतिया उपमंडल में पंचायती राज विभाग में हुए विकास कायार्ें की जांच करवाने की मांग की है। प्रदेश के विजिलेंस विभाग के डायरेक्टर को भेजे गए शिकायत पत्र में गांववासियों के अलावा किसान नेता राम जाट ने बताया कि कुछ महीने पहले ही पंचायती राज विभाग के ठेकेदार द्वारा टेंडर के माध्यम से लगभग 5.30 लाख रुपए की लागत से गांव खाई में कचरा शेड का निर्माण किया गया था लेकिन इस शेड के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया था जिस कारण उक्त निर्माण के कुछ समय बाद ही खस्ता हालत में हो गया था और देर रात आई आंधी के कारण टूट कर बिखर गया। गनीमत रही कि उस समय आसपास कोई ग्रामीण नहीं था नहीं तो बड़ा हादसा भी हो सकता था इसलिए पूरे निर्माण कार्य की जांच की जाए। प्रदेश प्रवक्ता राम जाट ने विजिलेंस विभाग के डायरेक्टर से मांग की है कि रतिया उप मंडल में पंचायती राज के ठेकेदारों द्वारा जो करोड़ों रुपए के विकास कार्य करवाए गए हैं उनमें काफी घटिया सामग्री लगाई गई है इसलिए सभी कायार्ें की जांच करवाई जाए।

रतिया। गांव खाई में टूटा हुआ शेड।

राजस्थान भाजपा एससी सैल के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

फतेहाबाद। भाजपा राजस्थान के एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल शनिवार को फतेहाबाद पहुंचे। उन्होंने पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और चुनावों को देखते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कैलाश मेघवाल ने कहा कि भाजपा से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता लोगों के बीच जाए और पार्टी प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर को जिताने के लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वषार्ें में देश की तरक्की, खुशहाली और विकास के लिए जो योगदान दिया है वो 70 वषार्ें में कभी नहीं हुआ। देश के गरीब, मजदूर, जरूरतमंद लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए योजनाएं लेकर आए, युवाओं को रोजगार मिल सके, इसके लिए विभिन्न विभागों द्वारा स्कीमें लागू कर आत्मनिर्भर बनाने का काम किया। बैठक के दौरान जगदीश शर्मा, राजपाल बैनीवाल व अन्य मौजूद रहे।

पॉयनियर स्कूल में मदर्स डे पर मातृ शक्ति का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

बीघड़ रोड स्थित पॉयनियर कान्वेंट स्कूल में मदर्स डे पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। उनके लिए अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। विभिन्न प्रकार की गेम्स में भाग लेते हुए सभी ने अपनी-अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के विजेता मातृ शक्ति को शानदार पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस शानदार एवं रोचक कार्यक्रम की सभी उपस्थित मेहमानों के मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि पॉयनियर हमेशा ही सभी से हट कर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर न केवल अपने बच्चों बल्कि उन के अभिभावकों के दिल तथा शहर में अपना एक अलग ही स्थान बना रहा है। स्कूल प्रबंधक विजय निमारे्ही ने कहा कि वैसे तो हर पल हर दिन मातृ दिवस है। मां की महिमा को शब्दों में तो व्यक्त ही नहीं किया जा सकता लेकिन विशेष दिवस पर इस का आयोजन इसकी मेहता का वर्णन किया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों की माताओं को प्रिंसिपल गीतिका मेहता, वाइस प्रिंसिपल मैत्री निमारे्ही, डायरेक्टर निशांत निमारे्ही व सभी स्टाफ सदस्यों ने बधाई व शुभकामनाएं दी व उन का आभार प्रकट किया सभी को इस अवसर पर जलपान भी करवाया गया

लोक अदालत में 5565 केसों का निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार शनिवार को न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाणी गोपाल शर्मा ने बताया कि इस लोक अदालत मे सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गए थे, जिनमें मुख्यतः चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद आदि शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 6522 केसों में से 5565 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 9,62,93,913/- की राशि समायोजित की गई। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया जिसमें प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी हिमांशु सिंह, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गगनदीप गोयल, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी डबवाली हरलीन पाल सिंह व अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी ऐलनाबाद आशीष आर्य तथा परमानेंट लोक अदालत के चेयरमैन अशोक गर्ग, मेंबर पवन सुथार व सरोज सोनी द्वारा लोक अदालत लगाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बड़ी सरल एवं संक्षप्ति है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत द्वारा समझौता करवाया जाता है।

भगवान परशुराम समाज में जातिवाद के खिलाफ लड़े और समानता को साधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जेसीडी शक्षिण महावद्यिालय ने परशुराम जयंती के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। मुख्यातिथि वद्यिापीठ के महानिदेशक डॉ. कुलदीप सिंह ढींडसा थे जबकि अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश द्वारा की गई। छात्रों ने इस प्रतियोगिता में परशुराम की जीवनी और उनके योगदान पर अपने विचारों को सांझा किया। प्राचार्य डॉ. जयप्रकाश ने मुख्यातिथि डॉ. ढींडसा का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम ने समाज में समानता और न्याय के लिए संघर्ष किया। उनकी प्रेरणा हमें नई ऊर्जा और साहस देती है। हम उनके योगदान को स्मरण करते हैं और उनके आदर्शों का अनुसरण करते हैं। डॉ. ढींडसा ने कहा कि परशुराम, भगवान वष्णिु के छठे अवतार के रूप में जाने जाते हैं। वे रामायण काल के योद्धा और ऋषि जमदग्नी के पुत्र थे। परशुराम ने क्षत्रियों के अत्याचार का विरोध किया और तीर्थयात्रा की। उनकी तपस्या, वीरता और धर्म के प्रति समर्पण के लिए वे प्रसद्धि हैं। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नवनीत सिंह ने प्राप्त किया जबकि द्वितीय स्थान रूबल वर्मा एवं तृतीय स्थान संयुक्त रूप में दव्यिा मेहता और रमनदीप कौर दिया गया। सभी विजेता वद्यिार्थियों को मुख्यातिथि व डॉ. जयप्रकाश द्वारा सम्मानित किया गया और उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

जिले में स्वीप गतिविधियों को दी गति

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में जुटा प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करते हुए स्वीप मास्टर ट्रेनर नरेश ग्रोवर।

उपायुक्त एवं जिला नर्वािचन अधिकारी आरके सिंह के आदेशानुसार व स्वीप के नोडल अधिकारी अतिरक्ति उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिला में मतदाता जागरुकता अभियान पर प्रशासन ने पूरी तरह से फोकस किया है। इसी कड़ी में प्रतिदिन विभन्नि जागरुकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि स्कूलों में जहां मतदान थीम पर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, साथ ही शहर की सामाजिक संस्थाएं भी लोगों को मतदान के लिए जागरुक कर रही हैं। आमजन को मतदाता शपथ भी दिलवाई जा रही है तथा मतदाता जागरुकता प्रचार सामग्री का भी वितरण किया जा रहा है। सार्वजनिक स्थलों पर किया मतदान के लिए जागरुक प्रशासनिक अभियान को गति देते हुए स्वीप मास्टर ट्रेनर नरेश ग्रोवर ने अभियान के तहत रेलवे स्टेशन पर यात्रियों, शहर के विभन्नि चौराहों पर आमजन, ऑटोरक्शिा चालकों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने आमजन को चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मतदाता जागरुकता पेंपलेट भी वितरित किए। इसके अलावा उन्होंने आमजन को भारत नर्वािचन आयोग द्वारा जारी विभन्नि हेल्पलाइन एप व हेल्पलाइन नंबर 1950 की भी जानकारी दी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे आगामी 25 मई को अपने घरों से बाहर निकले और सुबह 7 से लेकर शाम 6 बजे तक जब भी समय मिले मतदान करने अवश्य जाएं।

हर बूथ पर भाजपा ने शुरू किया डोर टू डोर जनसंपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा द्वारा प्रदेशभर दो दिवसीय बूथ चलो डोर टू डोर जनसम्पर्क अभियान शुरू किया गया है। आज पहले दिन फतेहाबाद बीजेपी के जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा के नेतृत्व में भी पूरे जिले में यह अभियान चलाया गया। जिलेभर में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हर बूथ पर डोर टू डोर जाकर जनसम्पर्क किया। बलदेव सिंह ग्रोहा ने भिरड़ाना में स्वयं अपनी टीम के साथ डोर टू डोर जाकर लोगों से सम्पर्क किया तथा भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर के पक्ष में मतदान की अपील की। फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम ने फतेहाबाद शहर के बूथों पर, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा ने रतिया शहर के अलावा गांव जल्लोपुर व गांव लाली के बूथों पर, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने टोहाना शहर के अलावा गांव डांगरा व बढईखेड़ा में, डेयरी एवं पशुपालन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजपाल बैनीवाल ने गांव ढाबी कलां में, चेयरमैन वेद फुलां ने रतिया व गांव फुलां में, चेयरमैन भारत भूषण मिड्ढा ने शहर के विभिन्न बूथों पर डोर टू डोर जनसम्पर्क किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि सिरसा लोकसभा से भाजपा ने डॉ. अशोक तंवर को लोगों की सेवा की जिम्मेदारी दी है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 मई 2024

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जूलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाई, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज्ञां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।
इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

मां भावनाओं का समंदर

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।'

घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

मनमोहक-आकर्षक
पहाड़ों का कुदरती सौंदर्य

घूमने के लिए तो देश-दुनिया में बहुत कुछ है, लेकिन जिन्हें कुदरती नजारे लुभाते हैं, वे पहाड़ों और उसकी हरी-भरी वादियों में घूमना बहुत पसंद करते हैं। अपने देश के अलग-अलग स्थानों पर स्थित पहाड़ों की क्या विशेषताएं हैं, वे एक-दूसरे से कितने अलग हैं, इनका अनुभव लेखक बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

नेचर ट्रैवलिंग / समीर चौधरी

हल्की-हल्की ठंडी हवा देवदार के पेड़ों में झंकार पैदा करते हुए बह रही थी। दूधिया झरना पत्थरों के बीच में से होता हुआ उतर रहा था। कहीं दूर बर्फीला तीतर अपने साथी को पुकार रहा था। पहाड़ी के ऊपर बने पुरातन मंदिर में सूरज की किरणें पड़ रही थीं, जो बर्फीली मोती जैसी चोटियों को भी चमका रही थीं। सब कुछ परियों के देश जैसा लग रहा था। मैं पहाड़ों की यात्रा पर था। यह पिछले जाड़ों की बात है।

पहाड़ों का अस्तित्व है जरूरी

पहाड़ आपको लुभाते हों या नहीं लेकिन यह सभी को पता होना चाहिए कि पहाड़ों में जीवन देने की कितनी क्षमता होती है। साथ ही पहाड़ों की शानदार जैव विविधता की महत्ता को समझकर उसके संरक्षण का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें जो ताजा, पीने योग्य पानी मिलता है, उसका 60 से 80 प्रतिशत पहाड़ों से हासिल होता है। पहाड़ असंख्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को अपनी गोद में आसरा देते हैं। पहाड़ संपूर्ण भूमंडल का 24 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं और 13 प्रतिशत ग्लोबल जनसंख्या को शरण देते हैं। इन महत्ताओं को जानने के अलावा पहाड़ी सौंदर्य मुझे हमेशा आकृष्ट करता रहा है। पहाड़ खामोश प्रहरी हैं, जो अनेक तरह से हमारी रक्षा करते हैं। पहाड़ों की यात्रा करने का अर्थ है प्रकृति से ऐसे जुड़ना कि अपने ही मन की गहराइयों में उतरने का अवसर मिल जाए।

हर पहाड़ का अलग आकर्षण

मैंने भारत के लगभग सभी हिस्सों यानी उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में स्थित पहाड़ों की यात्रा की है। हर पर्वत शृंखला का अपना एक अलग ही आकर्षण होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि पहाड़ों की ऊंचाई और भूखंड कैसा है, क्योंकि इन्हीं से वहां का क्लाइमेट, वेजिटेशन और लोगों की जीवनशैली तय होती है। पिछले साल नवंबर में जब मैं उत्तराखंड के पहाड़ों से रूबरू होने गया था तो मैंने विंटरलाइन की मंत्रमुग्ध करने वाली सुंदरता का आनंद लिया, जहां जाड़ों के महीनों में शाम के समय नारंगी-सुनहरा कृत्रिम क्षितिज बन जाता है। यह दुनिया में सिर्फ दो ही जगह दिखाई देता है- अपने देश के मसूरी में और स्विट्जरलैंड में। इसी तरह जब मैं इस साल जनवरी में हिमाचल प्रदेश में था, तो मैंने एल्पेन ग्लो इफेक्ट देखा, जब सूर्य की किरणों के बिखरने से बर्फ से ढंकी चोटियां जलती आग की तरह लाल हो जाती हैं। इन दोनों ही कंडीशंस को समझने के लिए वैज्ञानिक दृष्टि और सिद्धांत तो है ही, लेकिन मुझ जैसे आम घुमक्कड़ के लिए यह प्रकृति का चमत्कार है, शानदार जादू है, जिसे केवल पहाड़ों में ही देखा जा सकता है।

दिल को छू लेती है उनकी सुंदरता

अगर टिहरी में मुझे देवदार के पेड़ों की सोनी-सोनी गंध ने मंत्रमुग्ध किया तो नड्डी के घने जंगलों ने मुझे अचरज से भर दिया। दक्षिण भारत में पहाड़ आमतौर से चाय बागानों का घर होते हैं, जैसे कि ऊटी, कुनोर और मुन्नार में। लेकिन बीच-बीच में ऊंचे सिल्वर ओक और यूकेलिप्टस के पेड़ भी हैं, जिन्हें देखकर ऐसा लगता है जैसे वह नीले आसमान से कुछ राज की बातें सरगोशियों में कर रहे हों।

पहाड़ी पर्यटन का अनोखा आनंद

पहाड़ों की यात्रा करते समय मुझे आमतौर से सीधे, सच्चे, धार्मिक और मिलनसार स्थानीय लोग मिलते हैं, जो पर्यटकों का खुले दिल, खुली बाहों और मुस्कान के साथ स्वागत करते हैं। वे अपनी प्राकृतिक धरोहर पर गर्व करते हैं और पर्यटकों को अपनी भूमि, अपने देवताओं, अपने पशुओं और पहाड़ों के साथ अपने गहरे रिश्तों की दिल को स्पर्श करने वाली कहानियां सुनाते हुए कभी थकते नहीं हैं। मैं अकसर अकेला ही यात्रा करता हूं, इसलिए मैंने स्थानीय लोगों के साथ सुनसान जंगलों, खामोश पहाड़ों में घंटों बिताए हैं, लेकिन कभी भी मैंने परेशानी या असुरक्षा का एहसास तक नहीं किया। *

हम ही पहुंचा रहे नुकसान

पहाड़ केवल शानदार नजारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स योग्य तस्वीरों के लिए नहीं होते हैं। पहाड़ों में जीवन जीना कठिन भी होता है। चलना और बुनियादी काम जैसे कुकिंग और खेती के लिए भी जबरदस्त शारीरिक श्रम और स्टैमिना की आवश्यकता होती है। उनका इकोसिस्टम बहुत नाजुक होता है, जिसे संभालने और संरक्षित करने की जरूरत होती है। पहाड़ों पर जब बारिश पड़ती है या बर्फ गिरती है तो एक जगह से दूसरी जगह जाना और चीजों की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाते हैं। प्राकृतिक आपदाएं जैसे फ्लैश फ्लड्स, भू-स्खलन, हिम-स्खलन आदि जीवन को पूरी तरह से रोक देते हैं, जिससे सुरक्षा और जीविकोपार्जन के लिए संकट उत्पन्न हो जाते हैं। अकसर ये आपदाएं मानव-निर्मित भी होती हैं। गैर-जिम्मेदाराना पर्यटन, स्वार्थी कमर्शियल लक्ष्य, बिना सोचे-समझे पेड़ों को काटना, अनियोजित शहरीकरण आदि कारण हैं, जिनसे पहाड़ों और पहाड़ी जीवन को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर जैसे हिमालय-पहाड़ के राज्यों में हाल के वर्षों में जो प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, वे हमसे सख्ती से कह रही हैं कि प्रकृति में असंतुलन उत्पन्न मत करो वर्ना प्रकृति का गुस्सा बर्दाश्त नहीं कर पाओगे।

उपयोगी पेड़ / शिवचरण चौहान

कहते हैं, मई-जून में अमलतास के फूल जितना अधिक खिलते हैं, मानसून में उतनी ही अच्छी बरसात होती है। अमलतास का फूलना सदैव मंगलकारी माना गया है। इस वृक्ष के विभिन्न नाम, प्रकार और विशेषताओं के बारे में जानिए।

पीले फूलों वाला
अमलतास का वृक्ष

पीले सुंदर फूलों वाले वृक्ष अमलतास को देव वृक्ष भी कहा जाता है। संस्कृत के कवि कालिदास ने इसकी बहुत प्रशंसा की है और इसे स्वर्ण फूल वाला वृक्ष कहा है। सचमुच सुंदर पीले फूलों से शोभायमान अमलतास अपने अद्भुत सौंदर्य से सबका मन मोह लेता है। यह वृक्ष भारत और म्यांमार के जंगलों में खूब पाया जाता है। यह पेड़ ज्यादातर समूह में नहीं उगता, लेकिन उन जंगलों में यह समूहों में उगता है, जिन जंगलों में बंदरों की अधिकता होती है। जब बंदर इसकी फलियों को तोड़ते हैं तो इसके बीज बिखर जाते हैं। इस तरह इन्हें दूसरी जगह पर उगने और फैलने का अवसर मिल जाता है, यह इसलिए, उपयोगी होता है, क्योंकि इसके बीज कठिनाई से उगते हैं। इसके ज्यादातर बीजों को कीड़े फलियों के अंदर ही खा जाते हैं।

पेड़ की विशेषताएं: छोटे पौधों की छाल हरी, धुएं के रंग जैसी और चिकनी होती है। जो पेड़ पर ही लगे रहने के कारण काली और खुरदरी होती चली जाती है। अमलतास के फूल गर्म मौसम में अप्रैल, मई, जून के महीने में खिलते हैं। इन फूलों से लदे पेड़ों की सुंदरता देखने लायक होती है। लंबे पतीले से डंठलों पर लटकने वाले पीले फूल और गोल कलियां कानों में लटकने वाले झुमकों के समान दिखाई देते हैं। इसके पत्ते आकार में बड़े और जुड़े हुए होते हैं। पत्ते तीन से आठ जोड़ों में उगते हैं।

अमलतास के फूलों की छटा और नए पत्तों के रंगों को देखते हुए इसके कई भेद किए गए हैं। इसकी फलियां प्रारंभ में हरी और कोमल होती हैं। यह फलियां केंद्र से दो फीट लंबी लटकती हैं। हर फली में पच्चीस से सौ तक भूरे रंग के चमकीले बीज अलग-अलग खानों में पड़े रहते हैं। फली के अंदर काला मीठा गूदा रहता है, जो इन बीजों के साथ लगा रहता है। इस काले से गूदे को अमलतास का गुड़ कहते हैं। बंदर, गीदड़ और भालू आदि कई प्राणी इस प्राकृतिक गुड़ को चाव से खाते हैं। खासकर इसकी फली के कारण यह पेड़ बंदरों को विशेष रूप से प्रिय है। यही कारण है कि इस अमलतास के पेड़ का एक नाम 'बंदर लाठी' भी है।

नाम हैं कई : अमलतास का पेड़ भारत में लगभग सभी प्रांतों में पाया जाता है। पहाड़ों में भी 2000 फीट की ऊंचाई तक यह पाया जाता है। हर प्रदेश में इसका नाम अलग-अलग है। हिंदी में इसे किरवाल, किलवली, सिनार, तेलुगु में रेला, संस्कृत में सुवर्णक, बंगाली में बंदर लाठी, सोनाली, मराठी में जंबा, बेहावा, गुजराती में गरमा दो और अंग्रेजी में इंडियन लैबरनम कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम कासिया फीस्टुला है। अन्य भारतीय भाषाओं में इसके नाम किरमाल, गिरमाल आदि हैं। ये शब्द संस्कृत के कृतमाल शब्द से निकले हैं। माला के समान लटकते फूलों के कारण संस्कृत में इसे कृतमाल का नाम दिया गया है। मालवा क्षेत्र में इसे गिरमली नाम से जाना जाता है। डच भाषा में इसे गोल्डन शावर नाम दिया गया है। चिकित्सा ग्रंथों में इसे स्वर्णद्रुम, स्वर्णांश और स्वर्ण भूषण जैसे नाम दिए गए हैं। वाल्मीकि ऋषि ने इसे कांचन वृक्ष अर्थात सोने के पेड़ जैसा सुंदर नाम दिया है। फूलों के उल्लास भरे सौंदर्य के कारण इसे राजवृक्ष अर्थात वृक्षों का राजा नाम भी दिया गया है।

अमलतास के वंश का एक और पौधा : अमलतास के वंश का एक और पौधा पाया जाता है, जिसे सनाय, अंग्रेजी में इंडियन सेन्ना, संस्कृत में भूपक्ष कहते हैं। यह झाड़ीनुमा होता है। दक्षिण भारत, अरब और सोमालीलैंड में इसकी प्रजातियां पाई जाती हैं। अमलतास के पत्ते ग्रीष्म ऋतु में गिर जाते हैं और फिर नए पत्ते आते हैं। अप्रैल, मई और जून में अमलतास बागों में या शहरों और महानगरों में सड़क किनारे अपने पीले फूलों से छटा बिखेरता दिखाई देता है।

अमलतास के उपयोगी गुण : अमलतास में अनेक औषधीय गुण पाए जाते हैं। अमलतास का लंबा-सा फल बहुपयोगी होता है। फल का गूदा रेचक औषधि के रूप में उपयोग किया जाता है। अमलतास के पेड़ की छाल को सुमारी कहते हैं। इसमें टैनिन प्रचुर मात्रा में होता है। अमलतास की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, जो मकान, पुल और खेती में उपयोगी अनेक प्रकार के औजार बनाने के काम आती है। *

आत्मचिंतन / राजयोगी बीके निकुंज जी

संपूर्ण विश्व है एक परिवार

आत्मवत सर्व भूतानि यः पश्यति सः पंडिताः इस पौराणिक सूत्र में मानव कल्याण की समग्र भावना सन्निहित है। यह सारा विश्व एक सूत्र में बंध सकता है, यदि हम सभी संसार को एक कुटुंब के रूप में देखें और प्रत्येक मनुष्य से वैसे ही प्रेम करें, जैसे हम अपने परिवार के सदस्यों से करते हैं।

सभी मनुष्यों में रक्त संबंध: प्राकृतिक रचना की दृष्टि से भी देखा जाए तो सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि परिवार उसे माना जाता है जहां रक्त का संबंध स्थापित हो सके और संसार के किसी भी कोने के मानव का रक्त, संसार के किसी भी दूसरे कोने के अन्य मानव को चढ़ाया जा सकता है। और जहां तक रक्त के ग्रुप की बात है वह तो पिता और पुत्र का भी अलग-अलग हो सकता है अन्यथा जाति, कुल आदि के आधार पर रक्त की भिन्नता नहीं है। हम जानते हैं, एक ही केंद्र या स्रोत से निकलने वाले जल की कालांतर में अनेक धाराएं बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही इस विश्व परिवार के साथ भी हुआ है। बीज और तने की सही जानकारी न होने के कारण कालांतर में निकली शाखाएं अपने को ही मूल पेड़ मान बैठी हैं और इस प्रकार शाखाएं, उप-शाखाएं, टहनियां आपस में टकराने लगी हैं। अब, पेड़ तो जड़ होता है और उसका बीज बोल नहीं सकता, नहीं तो वो बताता कि कौन-सी शाखा पहले आई, कौन-सी बाद में अर्थात पेड़ के क्रमवार विकास की जानकारी वह देता। परंतु, सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज परमात्मा तो चेतन है। जब वह देखता है कि वैश्विक भावना को भूलकर उसके बच्चे छोटे-छोटे समूहों में बंट गए हैं और एक-दूसरे से कट गए हैं, उनका प्रेम संकुचित और स्वार्थपरक हो गया है, तब ऐसे माहौल को मिटाने के लिए वह स्वयं इस सृष्टि पर अवतरित होकर हम मनुष्यों को विश्व-परिवार की भावना से, एक परिवार में जोड़ने का महान कार्य करते हैं।

हम ना भूलें विश्व परिवार की भावना: आज जबकि भ्रष्टाचार सहित अनेकानेक समस्याओं से देश और विश्व जूझ रहा है, सभी में यदि विश्व परिवार की यह उच्चतम श्रेष्ठ भावना घर कर जाए तो इन सभी समस्याओं को छूमंतर होने में देरी नही लगेगी। स्मरण रहे, मेरे-तेरे की क्षुद्र भावनाएं ही समस्याओं को जन्म देती हैं, आपस में दूरियां बढ़ाती हैं। इसीलिए आज आवश्यक है कि हम संपूर्ण विश्व को अपने परिवार का हिस्सा मानें। किसी के प्रति कोई दुर्भावना ना पालें। इस सोच से ही विश्व का कल्याण संभव है। *

फीलिंग्स

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' की कहानी के केंद्र में परिवार है। अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (15 मई) के अवसर पर परिवार के महत्व के बारे में **हरिभूमि** को बता रहे हैं, शो के कलाकार।

हमारा प्यारा सपोर्ट सिस्टम
हमारा परिवार

सीरियल 'वागले की दुनिया' के प्रमुख कलाकार

एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार की तीन पीढ़ियों की दैनिक चुनौतियों, खुशियों और आपसी बंधन की कहानी को 'वागले की दुनिया-नई पीढ़ी नए किस्से' सीरियल में दिखाया जा रहा है। परिवार की महत्ता के बारे में अपनी फीलिंग्स यहां शेयर कर रहे हैं शो के एक्टर्स।

सीरियल 'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास वागले की भूमिका निभाने वाले **अंजन श्रीवास्तव** कहते हैं, 'हमारा शो फैमिली की इंपॉर्टेंस को ही बताता है। मेरा मानना है कि फैमिली भी देश की तरह होती है। हैप्पी फैमिली के लिए हमें सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। संभव है, इसमें रुकावटें आएंगी, ऑब्जेक्शंस होंगे, लेकिन इस वजह से हम फैमिली से अलग नहीं हो सकते। अपनी बात करूं, तो 54 सालों के मेरे प्रोफेशनल करियर में मेरी फैमिली, खासतौर से मेरी वाइफ का बहुत बड़ा योगदान रहा है। मेरा मानना है कि किसी भी फील्ड में ग्रो करने के लिए फैमिली सपोर्ट का बहुत बड़ा रोल होता है।'

सीरियल में राधिका वागले की भूमिका निभा रहीं **भारती आचरेकर** फैमिली की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहती हैं, 'फैमिली को मैं बहुत इंपॉर्टेंट मानती हूं। हालांकि मैंने बहुत साल अकेले गुजारे हैं। दरअसल, जब मैं 34 साल की थी तभी अपने पति को खो दिया। अब मैं और मेरा बेटा, यही मेरी फैमिली है। लेकिन मेरा मानना है कि फैमिली होना, उसका सपोर्ट होना बहुत जरूरी है। बेटे के अलावा मेरी चार बहनें हैं और हम सभी एक-दूसरे के बहुत क्लोज हैं। मेरी बहनें आस-पास ही रहती हैं, कभी भी जरूरत पड़ने पर वे भागकर आती हैं। इससे मेरे मन में यह बात जरूर रहती है कि मेरी फैमिली है और जरूरत के वक्त मेरे फैमिली मेंबर्स मेरे साथ खड़े होंगे। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

शो में राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले **सुमित राघवन** कहते हैं, 'चाहे आनंद के क्षणों को साझा करना हो या एक साथ चुनौतियों से गुजरना हो, परिजनों का एक नेटवर्क होना वास्तव में आशीर्वाद की तरह है। आज की दौड़ती-भागती दुनिया में, खासकर बड़े शहरों में लोग तेजी से अलग-थलग हो रहे हैं। ऐसे में परिवार की महत्ता और भी बढ़ जाती है। मेरा मानना है कि हमारे सीरियल 'वागले की दुनिया' ने दर्शकों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, इससे उन्हें संयुक्त परिवार की अवधारणा को अपनाने और अपने प्रियजनों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरणा मिली है।'

सीरियल में वंदना वागले की भूमिका निभाने वालीं **परिवा प्रणति** कहती हैं, 'वंदना वागले के रूप में मुझे ऐसे शो का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है, जो पारिवारिक जीवन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है। इस सीरियल में हम उन बंधनों का जश्न मनाते हैं, जो हमें एक-साथ बांधते हैं। हम तीन साल से अधिक समय से साथ में काम कर रहे हैं और ऑफ-स्क्रीन भी एक परिवार की तरह हो गए हैं। वास्तविक जीवन में भी अपने परिवार में प्रियजनों के साथ रहने से जो खुशी और संबल मिलता है, वो अमूल्य होता है। हमें हर हाल में परिवार के साथ जुड़े रहना चाहिए।'

सीरियल में सखी वागले की भूमिका निभाने वाली **चिन्मयी साल्वी** कहती हैं, 'अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, पारिवारिक बंधनों की सुंदरता का जश्न मनाने का क्षण होता है। हमें अपने परिवार के साथ जो भी खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं चाहिए। हमारा शो भी परिवारों के भीतर एकजुटता, सहानुभूति और समझ के महत्व को बताता है।' *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

बड़ा पर्दा

अशोक जोशी

हालांकि लगभग हर फिल्म में मां किसी न किसी रूप में दिखाई जाती है। लेकिन कुछ फिल्में ऐसी हैं, जो मातृ शक्ति को पर्दे पर शिद्दत के साथ पेश करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में बनी हैं, जिन्होंने मां के कद को और ऊंचे स्थान पर प्रतिष्ठित किया है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखे
मां की ममता के रंग

'मदर इंडिया' : नरगिस ने निभाई यादगार भूमिका

'दीवार' : ममतामयी-सख्त किरदार में निरूपा राय

'करन-अर्जुन' : राखी ने निभाई दमदार भूमिका

बात जब मां के चरित्र पर केंद्रित फिल्मों की आती है तो सबसे पहले 'मदर इंडिया' का नाम जेहन में आता है। 1957 में आई नरगिस, राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त अभिनीत इस फिल्म को महबूब खान ने निर्देशित किया था। 'मदर इंडिया' देश की आजादी के बाद की कहानी है, जिसमें एक गरीबी से त्रस्त महिला राधा, पति की गैर-मौजूदगी में अपने बच्चों की परवरिश के लिए संघर्ष करती दिखती है। यह ऐसी मां है, जो न तो अपने चरित्र पर दाग लगने देती है बल्कि अपने गांव की एक बेटी को दाग लगने से बचाने के लिए अपने बेटे की जान लेने तक से नहीं हिचकती।

ममतामयी ही नहीं कठोर भी: 'मदर इंडिया' में चित्रित मां का चरित्र बाद में कई सफल फिल्मों का आधार बना। सलीम जावेद ने अपनी फिल्म 'दीवार' और 'त्रिशूल' में ऐसी ही मां को चित्रित किया, जिसे निरूपा राय और वहीदा रहमान ने सशक्त तरीके से पर्दे पर उतारा। संजय दत्त की फिल्म 'वास्तव' की मां रीमा लागू भी ऐसी ही ममतामयी लेकिन सख्त मां है, जो अपने अपराधी बेटे को अपराध के दलदल से निकालने के लिए पिस्तौल का सहारा लेती है। सुचित्रा सेन, अशोक कुमार और धर्मेंद्र अभिनीत 1966 की हिंदी फिल्म 'ममता' उस युवती की कहानी है, जो अपनी उस मां के तलाश में है, जिसने बेटी के बेहतर जीवन के लिए अपने सपनों और अभिलाषाओं का त्याग कर दिया था। फिल्म का निर्देशन असित सेन ने किया था।

मां से जुड़ाव को उकेरती फिल्में : यूं तो 'आराधना' को एक रोमांटिक फिल्म माना जाता है, लेकिन इस फिल्म का आधार एक ऐसी मां की कहानी है, जो अपने बेटे का जीवन संवारने के लिए जेल तक चली जाती है। उसे अंत तक पता नहीं लगने देती कि वह उसकी मां है। बलिदानी मां की इस भूमिका को शर्मिला टैगोर ने बड़ी खूबसूरती से निभाया था। सलमान खान और शाहरुख खान अभिनीत 'करण अर्जुन' मां-बेटों के बीच प्यार की बड़ी खूबसूरत कहानी है। संपत्ति की लालच में मार दिए गए अपने दोनों बेटों के फिर से लौटने के इंतजार में बैठी मां (राखी) को आखिरकार उसके बेटे वापस मिल जाते हैं। फिल्म में मां की ममता के विश्वास की दृढ़ता और उसकी वजह से असंभव को भी संभव बनने का संदेश दिया गया है। फिल्म को राकेश रोशन ने निर्देशित किया है। 'राम लखन' में भी राखी ने ऐसी ही मां की भूमिका निभाई थी।

अचला सचदेव

रीमा लागू

ललिता पंवार

दुर्गा खोटे

कुछ भी कर गुजरने को तैयार मां : 1988 में प्रदर्शित फिल्म 'जख्म' दंगों में जला दी गई एक मुस्लिम मां की कहानी है। पूरी फिल्म एक मुस्लिम मां के उस हिंदू बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए मरने के बाद उसे सम्मान के साथ दफन करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी बताती है कि कैसे एक मां अपने बच्चे और अपने प्यार के लिए आदर्श बनने के लिए अपनी आस्था छोड़ देती है। महेश भट्ट द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके खुद के जीवन के काफी करीब है।

भावनात्मक लगाव दर्शाती फिल्में : महाश्वेता देवी के लिखे बांग्ला उपन्यास पर आधारित गोविंद निहलानी के निर्देशन में बनी 'हजार चौरासी की मां' उस मां की कहानी है, जो नक्सली विचारों से प्रेरित अपने बेटे को एक पुलिस मुठभेड़ में खो देती है और उसके शव के नंबर 1084 की वजह से हजार चौरासी की मां कही जाती है। फिल्म में जया बच्चन और अनुपम खेर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। 'निल बटे सन्नाटा' एक ऐसी वंचित लेकिन सशक्त मां की कहानी है, जो अपनी बेटी के लिए बड़े-बड़े सपने देखती है।

मां के रोल में खूब किया गया इनको पसंद: फिल्मों में सहृदय ममतामयी मां की भूमिका को निरूपा राय ने इतनी शिद्दत के साथ पर्दे पर उतारा है कि आम जीवन में भी सभी सीधी-सादी मां को निरूपा राय कह कर ही पुकारा जाता है। अचला सचदेव, लीला चिटणीस और सुलोचना जैसी कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हुई हैं, जिन्हें दर्शकों ने हमेशा मां की भूमिका में ही देखा। जब गौरवशाली और ममतामयी मां की भूमिका का उल्लेख होता है तो 'मुगले आजम' में जोधा बाई की भूमिका निभाने वाली दुर्गा खोटे का नाम भुलाए नहीं भूलता। आधुनिक फिल्मी माताओं में रीमा लागू ने एक सेलिब्रिटी मां के चरित्र को पर्दे पर उतारा है। क्रूर और सौतेली मां की भूमिका में ललिता पंवार, शशिकला और अरुणा इरानी ने नाम कमाया। कुछ अभिनेत्रियां, कुछ खास नायकों की मां के लिए रोल मॉडल बना दी गईं। कामिनी कौशल को मनोज कुमार की मां के रूप में पसंद किया गया तो रीमा लागू सलमान खान की मां के रोल में खूब पसंद की गईं। *